RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 25 जुलाई 2022 वर्ष 04 अंक 86 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

क्या महा विकास अघाड़ी का प्रयोग गलत साबित हुआ?

उद्धव ठाकरे ने इंटरव्यू में तीखे सवालों का दिया जवाब...!

मुंबईः महाराष्ट्र में शिवसेना के भीतर बगावत के बाद उद्धव ठाकरे सत्ता गंवा चुके हैं. मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे गुट के बीच अब शिवसेना पर वर्चस्व कायम करने की जंग तेज हो गई है. दोनों ही धड़े पार्टी के चुनाव चिन्ह धनुष-बाण पर अपना दावा कर रहे हैं. ऐसे में जमीनी राजनीति से अभी तक दूर रहे उद्धव ठाकरे क्या सड़क पर मोर्चा खोलेंगे? क्या सत्ता से बाहर आने के बाद महाराष्ट्र में शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस का गठबंधन महा विकास अघाड़ी कायम रहेगा, ऐसे ही अहम सवालों का जवाब उद्धव ठाकरे ने पार्टी के मुखपत्र सामना को दिए एक इंटरव्यू में दिया है. इंटरव्यू का अभी टीजर जारी किया गया है. दिलचस्प है कि ये इंटरव्यू शिवसेना सांसद संजय राउत ने लिया है. इसमें उद्धव ठाकरे से यह सवाल भी पूछा गया कि क्या महा विकास अघाड़ी का प्रयोग गलत साबित हुआ? इस पर उद्धव ठाकरे ने कहा कि अब फिर से सामान्य लोगों में से असामान्य लोगों को तैयार करने का समय आ गया है. विश्वासघाती अपने दामन से दाग नहीं मिटा सकते. वो दोबारा जीत के नहीं आएंगे और जनता उन्हें घर बैठाएगी.

उद्धव ठाकरे इंटरव्यू में यह कहते नजर आ रहे हैं कि हमने पाप किया है तो जनता हमें घर बिठा देगी. साथ ही टीजर में ठाकरे अपने विरोधियों पर भी निशाना साधते नजर आ रहे हैं. टीजर में उद्धव ठाकरे कहते दिख रहे हैं कि विरोधियों के सिर पर विश्वासघात का दाग लगा है, वो मिटा नहीं सकते हैं. शिवसेना में कई नेता उद्धव ठाकरे गुट को छोड़कर एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो चुके हैं. ऐसे में उद्धव ठाकरे अपनी नई रणनीति का खुलासा करते भी नजर आते हैं. उद्धव ठाकरे ने कहा कि सामान्य लोगों में से असामान्य लोगों को तैयार करने का समय आ गया है. माना जा रहा है कि शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट अपना जनाधार बढ़ाने के लिए काम कर सकती है.

वहीं इस इंटरव्यू के जरिये उद्धव ठाकरे के हवाले से कई सवालों के जवाब मिलने के भी कयास लगाए जा रहे हैं, जिसमें शिवसेना के चुनाव चिह्न से लेकर चुनाव आयोग में मुकदमे तक कई सवालों के जवाब मिल सकते हैं.

"धारावी में 26 वर्षीय कबड्डी खिलाड़ी की पीट-पीटकर हत्या!

विरोध के बाद मामले में अबतक 3 गिरफ्तार

धारावी : मुंबई के धारावी में एक 26 वर्षीय कबड्डी खिलाड़ी की शनिवार की दरमियानी रात को क्रिकेट स्टंप से कुचल कर मौत के घाट उतार दिया गया। पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल करने पर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। तीसरे आरोपी को बाद में पकड़ लिया गया। मुंबई पुलिस ने कहा कि आईपीसी की धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की पहचान विमलराज नादर के रूप में हुई है और तीनों आरोपियों के बीच विभिन्न कारणों से अक्सर झगड़ा होता रहता था। घटना के बाद जहां वारदात को अंजाम दिया गया वहां लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई।

मल्लेश चितंकड़ी नाम के एक आरोपी को शनिवार को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया। रविवार

को इस मामले में दो और आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। कुल तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। धारावी में स्थानीय लोगों ने पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग को लेकर धारावी थाने के बाहर प्रदर्शन किया।

पंजाब कबड्डी खिलाड़ी की मौत

इससे पहले (5 अप्रैल) की रात पटियाला में पंजाबी विश्वविद्यालय के बाहर पुरुषों के एक समूह के साथ संघर्ष के बाद कबड्डी खिलाड़ी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। डॉन कलां गांव के मूल निवासी धर्मिंदर सिंह वहां के कबड्डी क्लब के अध्यक्ष थे। वे राजनीति में भी सक्रिय रहे। धर्मिंदर सिंह ने 20 फरवरी को पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल छोड़ दिया था और घनौर में आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार किया था। उन्होंने गुरलाल घनौर नाम के एक अन्य कबड्डी खिलाड़ी के लिए प्रचार किया था। पुलिस के अनुसार, दून कलां और थेरी गांवों के प्रतिद्वंद्वी समूहों ने मंगलवार शाम को विश्वविद्यालय के बाहर झड़पों में भाग लिया था। धर्मेंद्र परिसर के बाहर एक ढाबे पर प्रतिद्वंद्वी समूह के साथ एक बैठक में अपने ग्रामीणों का प्रतिनिधित्व करने गए थे, जब यह घटना हुई। सूत्रों ने बताया कि बातचीत के दौरान अज्ञात लोगों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी।

निमार्णाधीन इमारत की दसवीं मंजिल से गिरकर मजदूर की मौत...!

मुंबई : मुंबई के मलाड ईस्ट में एक निमार्णाधीन इमारत की दसवीं मंजिल से गिरने के कारण एक मजदूर की मौत हो गयी। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। कुरार पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि घटना शुक्रवार को हुई और मृतक की पहचान मनीष भालिया (46) के रूप में की गयी है। उन्होंने बताया, ''यह एक निमार्णाधीन 24 मंजिला टावर है। दसवीं मंजिल के फर्श पर फिसलन के कारण लिफ्ट के बगल वाली खुली खिड़की से भालिया नीचे गिर गया। पास के अस्पताल में पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया।''

मुंबई पुलिस ने आरे कालोनी के प्रदर्शनकारियों को गैरकानूनी जमावड़े पर रोक लगाने का नोटिस भेजा

मुंबई : मुंबई पुलिस ने यहां आरे कॉलोनी में मेट्रो कार शेड के निर्माण के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले लोगों को आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने सीआरपीसी की धारा-149 के तहत नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है। इसके तहत गोरेगांव के पश्चिमी उपनगर में धरना स्थल पर अवैध रूप से इकट्ठा होने पर पाबंदी लगायी गयी है। अधिकारी ने बताया कि दो प्रदर्शनकारियों, तबरेज सैय्यद और जयेश भिसे को पिछले दो दिनों में नोटिस भेजा गया है कि वह गैरकानूनी रूप से इकट्ठा न हों और कानून का उल्लंघन न करें। महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों सहित बड़ी संख्या

में प्रदर्शनकारियों ने तख्तियों, बैनरों पर ''आरे बचाओ'' लिखकर प्रदर्शन किया। कुछ लोगों को तख्तियों के साथ नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शहर में वन क्षेत्र को बचाने और हस्तक्षेप करने की अपील करते देखा गया। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने कार्यक्रम स्थल पर अवरोधक (बैरिकेड) लगा दिए हैं और किसी को भी कार शेड स्थल के पास जाने की अनुमति नहीं है।

एक प्रदर्शनकारी अमृता भट्टाचार्य ने कहा, ''लोग शहर के विभिन्न हिस्सों से विरोध स्थल पर आते हैं और पुलिस उन्हें नोटिस भेजने के लिए उनके नाम और पते ले रही है।'' पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जोन 12 सोमनाथ घरगे ने कहा, ''नेता, गैर-सरकारी संगठनों के प्रमुख और विभिन्न समूहों के प्रमुख लोग प्रदर्शन करने की अनुमति के लिए पुलिस से संपर्क कर रहे हैं। इसलिए हमने कानून व्यवस्था बनाए रखने और उन्हें चेतावनी देने के लिए सीआरपीसी की धारा 149 के तहत नोटिस जारी किया है।'' कार्यभार संभालने के तुरंत बाद, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य प्रशासन को कांजुरमार्ग के बजाय आरे कॉलोनी में मेट्रो-श्री कार शेड बनाने का प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल को मातृशोक!

कोल्हापुर : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल की मां श्रीमती सरस्वती बच्चू पाटिल का निधन हो गया है. उन्होंने कोल्हापुर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वह 91 साल की थीं। उनके निधन से पाटिल परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है. हिम्मत मत हारो, उनकी मां श्री सरस्वती पाटिल ने हमेशा चंद्रकांत दादा को सिखाया कि आपको जीवन में किसी चीज की कमी नहीं होगी। दादा ने भी उनकी शिक्षाओं को स्वीकार किया। मैमौली के निधन से दादा का जीवन खाली हो गया है, जिन्होंने उन्हें कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करना सिखाया। दादा की मातोश्री सरस्वती पाटिल ने अपने दिन बड़े संघर्ष में बिताए जब घर की स्थिति बहुत खराब थी। जब बच्चा पाटिल एक कपड़ा मिल में काम कर रहा था, तब उसने बहुत कम पैसा कमाया, उसने अपना करियर शुरू

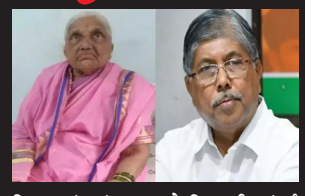

किया। चंद्रकांत दादा को शिक्षा दी, संघर्ष की प्रेरणा दी। चंद्रकांतादा हमेशा इस भावना को व्यक्त करते थे कि मेरी मां ने मेरे जीवन और यात्रा में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। चंद्रकांतादा पाटिल की मातोश्री ने अपने सभी भाई-बहनों को बेहद विपरीत परिस्थितियों में स्वाभिमान और मेहनत से जीना सिखाया। चंद्रकांतदादा पाटिल और उनका पूरा परिवार जीवन भर इन अनुष्ठानों का पालन करता है। दादा की मातोश्री आज ऊ अंतिम संस्कार 24 जुलाई को रात 8.30 बजे पंचगंगा श्मशान घाट, कोल्हापुर में किया जाएगा।

संपादकीय / लेख

परिणाम से प्रेरणा...!

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

कुछ इंतजार के बाद शुक्रवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पहले 12वीं और फिर 10वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए। महामारी के कम से कम तीन चरम दौर के बाद आए ये नतीजे बहुत आशा जगाते हैं। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को कामयाबी मिली है और इससे अन्य निचली कक्षाओं के विद्यार्थियों को भी बेहतर पढ़ाई व तैयारी के लिए प्रेरणा मिलेगी। कक्षा 12वीं उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी 92.71 प्रतिशत, जबकि 10वीं पास करने वाले 94.40 प्रतिशत हैं। यह अच्छा है कि इस बार भी टॉपर घोषित नहीं किए गए हैं। टॉपर की सूची से समग्रता में लाभ कम और नुकसान ज्यादा होता है। किसी एक परीक्षा में नाकाम रहने वाले या कम अंक लाने वाले विद्यार्थियों की मनःस्थिति का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए और यह काम सीबीएसई अच्छी तरह से करने लगा है। कोई भी परीक्षा परिणाम अंतिम नहीं होता। एकाधिक परीक्षाओं में नाकाम हुए विद्यार्थी भी आगे चलकर कामयाब हस्तियों में शुमार हुए हैं। कोई भी परीक्षा परिणाम एक प्रेरणा या पड़ाव है, ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों का प्रदर्शन अच्छा हो सके। कमियों से सीखा जा सके।कई बार 10वीं में कम अंक लाने वाले 12वीं में बहुत अंक लाते हैं और कई 12वीं में कम अंक लाने वाले कॉलेज में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन कर गुजरते हैं।

महामारी से प्रभावित पढ़ाई के बावजूद सीबीएसई कक्षा 10 में 64,908 या 3.10 प्रतिशत विद्यार्थियों को 95 प्रतिशत या उससे ज्यादा अंक मिले हैं। कुल 2,36,993 या 11.32 प्रतिशत विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक मिलना भी बहुत उत्साहजनक है। खास बात यह है कि दक्षिण भारत के विद्यार्थी और खासकर त्रिवेंद्रम क्षेत्र के विद्यार्थियों का प्रदर्शन 10वीं और 12वीं, दोनों में बहुत शानदार रहा है। 10वीं में दिल्ली क्षेत्र के परिणाम निराश करते हैं, इस क्षेत्र में सफलता प्रतिशत 87 भी नहीं है, जबकि 96 प्रतिशत से ज्यादा के साथ नोएडा, 94 प्रतिशत से ज्यादा परिणाम के साथ प्रयागराज क्षेत्र की कामयाबी प्रशंसनीय है। राष्ट्रीय राजधानी में परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए हरसंभव प्रयास करने पड़ेंगे। बच्चों को केवल सुविधा दे देने से अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे। पूर्वोत्तर क्षेत्र पर भी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। अब परंपरा-सी हो गई है, लड़कियों का उत्तीर्णता प्रतिशत हमेशा ही ज्यादा रह रहा है। लड़कियां जिस हठ और विशिष्टता के साथ स्कूल पास कर रही हैं, उसी उत्साह के साथ उन्हें उच्च शिक्षा में भी झंडे गाड़ने चाहिए।

परीक्षा परिणामों का अध्ययन करते हुए यह देखना भी जरूरी है कि किन स्कूलों के विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। क्या बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूलों का ही विस्तार नहीं करना चाहिए? क्या बेहतर पढ़ाने वाले स्कूलों के ढांचे या खासियत का व्यापक प्रचार नहीं करना चाहिए? ध्यान रहे, जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया है। इनकी बागडोर सरकार के ही हाथों में है, जहां बच्चों को हर तरह की सुविधा व गुणवत्ता वाली शिक्षा मिल रही है, तो नतीजे दुनिया के सामने हैं। केंद्रीय विद्यालय भी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। निजी स्कूलों का प्रदर्शन भी बहुत अच्छा है, लेकिन उनमें देखना चाहिए कि किन स्कूलों का प्रदर्शन सुधर नहीं रहा है। लगातार खराब प्रदर्शन कर रहे स्कूलों को क्यों चलना चाहिए? हमारी सरकारों को अन्य सरकारी और सरकार द्वारा अनुदानित स्कूलों के कमतर परिणामों पर भी अवश्य गौर करना चाहिए।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मुंबई मनपा सहित सभी चुनाव को जीतने के लिए रहे तैयार -चंद्रकांत पाटिल

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में पाटिल ने पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओ से किया आव्हान...!

मुंबई : मुख्यमंत्री का पद त्याग पर उपमुख्यमंत्री की शपथ लेकर देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा कार्यकर्ताओ के लिए अनुशासन का आदर्श निर्माण किया है.शनिवार को पनवेल में आयोजित भाजपा प्रदेश की कार्यकारिणी की बैठक का उद्घाटन करने के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने यह बात कही. इस दौरान बैठक में शामिल पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों से पाटिल ने आगामी मुंबई मनपा सहित अन्य मनपा और जिला परिषद के होने वाले को लेकर तैयार रहने का निर्देश दिया।

पाटिल ने कहा कि पार्टी के आदेशानुसार काम करने व अपने सामर्थ्य के बलबूते होने वाले स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव को जीतना है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि, पिछले ढाई वर्षों में भाजपा ने राज्य में विभिन्न चुनावों को जीता है और जनता की समस्याओं को लेकर संघर्ष किया। आघाडी सरकार ने भाजपा कार्यकताओं को दबाने का अनेक प्रयास किया लेकिन भाजपा के कार्यकताओं ने संघर्ष करना बंद नहीं किया।तत्कालीन विपक्ष नेता देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पिछले ढाई साल में भाजपा कार्यकर्ताओ ने पार्टी संगठन को बढ़ाने का काम किया।पाटिल ने कहा कि एमवीए सरकार में हिन्दू अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे थे इसलिए सत्ता परिवर्तन बहुत जरुरी था. बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश प्रभारी सी. टी.रवि ने कहा कि , राज्य में राजनीतिक परिवर्तन के कारण केंद्र सरकार के विचारों की विकास की डबल इंजन सरकार महाराष्ट्र की सत्ता में आई है। हम मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का अभिनंदन करते हैं। राज्य में विकासवादी व हिंदुत्ववादी सरकार आई है। संगठन को और मजबूत बनाना है और स्थानीय स्वराज्य संस्था, लोकसभा व विधानसभा चुनाव को जीतना है।

राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री शिव प्रकाश ने कहा कि, जनादेश का सम्मान, भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, आम लोगों की सुरक्षा और हिंदुत्व के लिए भाजपा शिवसेना सरकार सत्ता में आई है। भाजपा के पक्ष में जनमत अनुकूल है। संगठनात्मक रचना को मजबूत करने का बड़ा कार्य करना है।

मुंबई में मोबाइल फोन चोरी के अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़...

हवाला के जरिये ऐसे होता था 'कारोबार'

मुंबई : मुंबई पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी करने और 'हवाला' के जरिए उन्हें नेपाल और बांग्लादेश में बेचने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है. एक अधिकारी ने बताया कि यह अपराध कितने बड़े पैमाने पर हो रहा था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 15 जुलाई को यहां मानखुर्द इलाके में छापे के दौरान ढँड्ढल्ली समेत 480 मोबाइल फोन बरामद किए गए. उन्होंने बताया कि शुरूआती जांच से पता चलता है कि गिरोह के संबंध अन्य देशों से भी थे. छापे के दौरान मोबाइल फोन के अलावा पुलिस ने 9.5 किलोग्राम गांजा, विदेशी शराब की 174 बोतलें, दो तलवार और एक लैपटॉप भी बरामद किया है. इन सभी की कीमत करीब 75 लाख रुपये है.

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के जहांगीराबाद कस्बे से आरोपी आसिफ इदरीसी (25) को गिरफ्तार किया था. इससे पहले पुलिस ने गिरोह के दो अन्य सदस्यों महबूब उर्फ लल्लू बदरुद्दीन खान (37) और फैयाज शेख (31) को पकड़ा था. जांच के दौरान अपराध शाखा को पता चला कि गिरोह शहर में चोरों से मोबाइल फोन खरीद रहा था.

अधिकारी ने बताया, 'इसके बाद वे फोन के क्टएकनंबर बदल देते थे और उन्हें भारत, नेपाल तथा बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में बेचते थे और हवाला के जरिए पैसे लेते थे.' हवाला का मतलब कानूनी बैंकिंग माध्यमों से बचते हुए पैसों का अवैध लेनदेन है. अधिकारी ने बताया कि गिरोह के दक्षिण मुंबई में सबसे बड़े कबाड़ी बाजार 'चोर बाजार' में लोगों से भी संपर्क थे. उन्होंने कहा, 'हमने महज एक छापे में 480 मोबाइल फोन जब्त किए. हम अंदाजा लगा सकते हैं कि उन्होंने नेपाल और बांग्लादेश में कितने फोन बेचे हैं.' उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश से इदरीसी के पकड़े जाने के बाद इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं.

प्राणी संगठन ने की थी शिकायत
पुलिस स्टेशनों में नहीं बंटेगा 'गटारी' का प्रसाद!

मुंबई : आषाढ़ी अमावस्या राज्य भर में गटारी के तौर पर मनाई जाती है। इस दिन मुर्गे या बकरों की बलि दिए जाने के बाद उसे पुलिस स्टेशनों या विशेष शाखाओं में प्रसाद के तौर पर बांटा जाता है।ऐसे में प्राणी मित्र संगठनों की शिकायत के बाद इस पर रोक लगाने का सख्त निर्देश पुलिस आयुक्त ने जारी किया है।

बता दें कि आषाढ़ी अमावस्या के मौके पर मुर्गे या बकरों की बलि दिए जाने की प्रथा वर्षों से चली आ रही है।इस दिन मुर्गे या बकरों की बलि देने के बाद उसे आस-पास के लोगों में प्रसाद के तौर पर बांटा जाता है। कई जगहों पर पुलिस स्टेशनों में भी इसे बांटकर गटारी धूम-धाम से मनाई जाती है लेकिन पिछले कुछ वर्षों से प्राणी मित्र संगठनों द्वारा इस बलि प्रथा को लेकर शिकायत की जा रही है। हाल ही में महाराष्ट्र पुलिस संचालक और पुलिस आयुक्त से मिलकर इस बलि प्रथा को रोकने की मांग की गई थी। प्राणी मित्र संगठनों की इन मांगों को देखते हुए आयुक्त ने एक निर्देश जारी किया हैं। इस निर्देश के मुताबिक सभी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षकों को अपने अधिकारी और कर्मचारियों को इस संदर्भ में जागरूक करने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही पुलिस स्टेशन में किसी भी तरह से गटारी करते पाए जाने पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

‘आरे कॉलोनी को बचा लो’ मेट्रो कार शेड निर्माण के फैसले का विरोध

मुंबई की सड़कों पर उतरे लोग...

मुंबई : मुंबई के आरे कोलॉनी में मेट्रो कार शेड बनेगा ! महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने पिछली उद्धव सरकार के रोक के फैसले को उलटकर मेट्रो कार शेड के निर्माण की मंजूरी दे दी है. सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय के बाद रविवार की सुबह से मुंबई में लोग सड़कों पर उतर आए हैं और इस फैसले के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं. इस प्रदर्शन में आम नागरिक सहित पर्यावरण प्रेमी भी शामिल हैं. हर रविवार को नौजवान और पर्यावरण प्रेमी आरे कॉलोनी में इकट्ठा हो कर इस फैसले के विरोध में प्रदर्शन करते हैं. अब यह आंदोलन केवल मुंबई में नही बल्कि अन्य राज्यों में भी हो रहा है. लोगों की मांग है के मेट्रो कार शेड का निर्माण आरे कॉलोनी में नहीं होना चाहिए.

मुंबई सहित कई राज्यों में हो रहा आंदोलन

विरोध-प्रदर्शन में शामिल एक युवक तबरेज ने बताया कि यह आंदोलन अब पूरे देश में हो रहा है. आरे में मेट्रो कार शेड के निर्माण की

वजह से कई जानवरों की जिंदगी खतरे में पड़ जाएगी और शहर को भी नुकसान होगा. तबरेज ने कहा कि हमसब पेड़ कटने के खिलाफ हैं और इसीलिए आज 15 हजार से अधिक लोग मिल कर देश के अलग-अलग जगहों पर यह आंदोलन कर रहे है. विरोध प्रदर्शन कर रहे तबरेज को पुलिस ने 149 का नोटिस दिया है और पूरे आंदोलन का जिम्मेदार उन्हें ही ठहराया है. हालांकि ऐसी नोटिस पहले भी मिल चुकी है

मुंबई में रविवार की सुबह इस आंदोलन में कई नौजवान शामिल हुए हैं और kksave aarey save mumbai” के नारे के साथ ही कई गानों से जरिए अपना रोष जाहिर कर रहे हैं. विरोध प्रदर्शन में फिल्मों के संगीत के जरिए भी आंदोलन किया गया. प्रसिद्ध मराठी गानों के शब्द बदल कर कई नौजवान गाना गाते नजर आए. वहीं रमेश कहर नमक व्यक्ति ने ऑक्सीजन पाइप लगाकर एक संदेश देने की कोशिश की. उन्होंने बताया कि अगर पेड़ों को काटा जाएगा तो सभी लोगों को ऑक्सीजन की कमी हो सकती है.

आदिवासी समाज ने लगाई द्रौपदी मुर्मू से गुहार

प्रदर्शन में शामिल आदिवासी समाज के अनंदराई मोगा ने बताया कि भारत की नव निर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भी पोस्टर इस आंदोलन में शामिल किया गया है. उन्होंने कहा कि कई आदिवासियों ने द्रौपदी जी से उनके समाज को न्याय दिलाने की मांग की है और इसी वजह से पोस्टर के माध्यम से वह समर्थन की मांग कर रहे हैं.

आम आदमी पार्टी भी प्रदर्शन में शामिल

जब से मेट्रो कार शेड आरे में बनाने का निर्णय हुआ तब से आम आदमी पार्टी भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होती नजर आती है. आज भी आम आदमी के वर्किंग अध्यक्ष रोबिन मैस्केरिनस अपने कार्यकताओं के साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए. रोबिन ने बताया के सरकार के इस निर्णय के खिलाफ है और जब तक यह निर्णय पीछे नहीं लिया जा सकता तब तक वह लड़ते रहेंगे.

रियाल्टार से 3.12 करोड़ रुपये की ठगी का मामला, तीन आरोपी गिरफ्तार...!

मुंबई : मुंबई की मीरा-भयंदर-वसई-विरार पुलिस ने 40 वर्षीय एक रियाल्टार को कथित तौर पर 3.12 करोड़ रुपये ठगने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने कहा कि वडोदरा के रहने वाले तीन आरोपी किसानभाई सलात, हरिभाई सलात और मनीष शाह ने पैसे के बदले में रियाल्टार हेमंत मूलचंद वाविया को नकली सोने के सिक्कों से भरा बैग सौंपकर ठगी की थी. यह घटना 18 अप्रैल को शाम करीब 6.30 बजे हुई थी.

इस तरह ठगों के झांसे में आया पीड़ित

एक अधिकारी ने कहा कि ‘‘आरोपी में से एक ने रियाल्टार से संपर्क किया और दावा किया कि वह सोने के सिक्कों को सस्ते मूल्य पर बेचना चाहता है. रियाल्टार ने उससे दो सोने के सिक्के लिए और उन्हें एक जौहरी से चेक करवाया. उन्होंने पुष्टि की कि सोने के सिक्के असली हैं. इसके बाद, वाविया ने और सोने के सिक्के ले लिए और उनका सत्यापन किया. बाद में दोनों में समझौता हो गया. अधिकारी ने बताया कि ‘‘आरोपी ने सोने के सिक्कों के लिए 3.12 करोड़ रुपये की मांग की. 18 अप्रैल को, वे मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर एक जगह मिलेङ्घआरोपी ने वाविया को नकली सोने के सिक्कों से भरा बैग दिया और पैसे ले लिए.ह्व

जब वाविया ने सोने की जांच की, तो उसने महसूस किया कि उसके साथ धोखा हुआ है. इसके बाद धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया, जिसके बाद गुरुवार को वडोदरा से आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया. अधिकारी ने कहा, ‘हम उनसे 2.18 करोड़ रुपये वसूल करने में सफल रहे हैं.

पत्नी को 1.2 लाख गुजारा भत्ता, 5% सालाना हाइक

मुंबई की कोर्ट का बिजनेसमैन को आदेश

मुंबई: मुंबई की एक अदालत ने रेस्तरां की एक श्रृंखला चलाने वाले एक व्यवसायी को अपनी अलग हुई पत्नी को 1.25 लाख रुप का मासिक अंतरिम गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया है। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि अगस्त 2023 से हर साल राशि में 5% की बढ़ोतरी करनी पड़ेगी ताकि बांद्रा में रहने वाली महिला को बार-बार अपने पूर्व पति के दरवाजे पर दस्तक न देनी पड़े। इसके अलावा अदालत ने उस व्यक्ति को उसकी मुख्य शिकायत का फैसला होने तक उसके किराए के लिए 25,000 रुपए का भुगतान करने का आदेश दिया है। उन्हें मेंटेनेंस एरियर के रूप में 20 लाख रुपये से अधिक का भुगतान भी करना होगा। अपने फैसले में मजिस्ट्रेट ने कहा कि महिला की दायर संपत्ति और देनदारियों के हलफनामे से पता चलता है कि वह कुछ आय जुटाना चाहती है। लेकिन यह समाज में अपनी जीवन शैली के अनुसार जीने के लिए पर्याप्त नहीं है जिसमें वह और उसके बच्चे हैं।

थे। दोनों पक्ष उच्च आर्थिक तबके के हैं। आदेश को उनकी सामाजिक स्थिति और दिन-प्रतिदिन की आवश्यकताओं के अनुरूप होना चाहिए। अदालत ने आगे कहा कि आदमी के पास अपने होटल और अन्य व्यवसायों से आय के विभिन्न स्रोत थे। पति और ससुराल वाले एक समृद्ध जीवन जी रहे हैं, हालांकि आवेदक और उसके बच्चे संकट में हैं और पैसे और आश्रय की जरूरत है। इस तरह, रखरखाव और अन्य खर्चों की आर्थिक राहत देने की जरूरत है।1.25 लाख रुपए के अंतरिम भरण-पोषण में पत्नी के लिए 75,000 रुपए और उनके दो बच्चों में से प्रत्येक के लिए 25,000 रुपए शामिल है। पत्नी ने कहा आदमी हिंसक था। लेकिन ससुराल वालों ने इसे नजरअंदाज किया.

2020 में दर्ज कराया था घरेलू हिंसा का मामला

महिला ने 2020 में अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ कई आरोप लगाते हुए घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था, जिसमें उसका पति शराब और नशे का आदी था। उसने कहा कि शराब और नशीली दवाओं के प्रभाव में, उसने भावनात्मक, आर्थिक और शारीरिक हिंसा की। पत्नी ने अदालत को बताया कि उसके माता-पिता दुबई में रहते हैं और उसने 2011 में आरोपी के साथ अरेंज मैरिज की थी। उसके अनुसार, शादी के समय उसे आश्वासन दिया गया था कि वह काम करना जारी रख सकती है। हालांकि, परिवार बाद में अपनी बात से मुकर गया। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसका पति बहुत देर से घर आता था और उसके साथ रहने से बचता था। बाद में महिला अपने दो बच्चों के साथ घर से बाहर चली गई। पति और उसके परिवार ने उसके आरोपों को खारिज कर दिया है।

सरकारी दावे की फिर खुली पोल

वृद्ध आदिवासी महिला को डोली में अस्पताल पहुंचाया गया

पालघर : एक तरह देश जहां पहली आदिवासी महिला के रूप में द्रोपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने के बाद गौरवान्वित महसूस कर रहा था, वहीं अगले ही दिन पालघर के आदिवासियों की ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने विकास के दावों की पोल खोलकर रख दी। स्वास्थ्य सेवा की बेहतरी को लेकर किए जा रहे तमाम दावों के बीच पालघर जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में हकीकत कुछ और ही नजर आई है। स्वास्थ्य सेवा तो दूर यहां मरीज को अस्पताल आने के लिए सड़क तक नहीं है। इसकी एक बानगी शुक्रवार को तब देखने को मिली, जब जव्हार के पाथर्डी ग्राम पंचायत में एक वृद्ध आदिवासी महिला को डोली बनाकर उफनती नदी को पार कर उपचार के लिए कई किलोमीटर पैदल चलकर अस्पताल पहुंचाया गया। जनजातीय क्षेत्रों में विकास के नाम पर भले

ही ढिंढोरा पीटा जा रहा है लेकिन आदिवासी समाज के लोग आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। आधुनिक युग में भी सुविधाओं से आदिवासी लोग अपने हाल पर जीवन व्यतीत करने को विवश हैं।

जव्हार तालुका में पाथर्डी ग्राम पंचायत के अंतर्गत आनेवाले भाटीपाड़ा की एक ६२ वर्षीय महिला के बुरी तरह जख्मी होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने के लिए डोली में ले जाना पड़ा। बूढ़ी औरत के घरवालों को महिला को डोली में लेकर तीन से चार किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है और हैरान करनेवाली बात यह है कि ऐसा करते वक्त लोगों को नदी की खतरनाक धारा से गुजरना पड़ा। भाटीपाड़ा की ६२ वर्षीय महिला लक्ष्मी घाटाल के पैर में चोट के कारण सूजन हो गई थी। असहनीय दर्द के चलते परिजनों ने वृद्धा को अस्पताल में भर्ती कराने का फैसला किया लेकिन गांव तक पहुंचने के लिए सड़क नहीं होने के कारण महिला को अपने परिवार को लकड़ी और चादर से बनी डोली में ले जाना पड़ा। विशेष रूप से भाटीपाड़ा से जव्हार जाने के लिए कालशेती नदी पार करनी पड़ती है और इस नदी में पानी का बहाव खतरनाक था। लेकिन जान जोखिम में डालकर लक्ष्मी के परिजनों ने नदी को पार कर वृद्धा को इलाज के लिए जव्हार के कुटीर अस्पताल में भर्ती कराया।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 25 जुलाई 2022

अगले दो सालों में मुंबई की सड़कों को गड्ढामुक्त करने का प्लान...

BMC ने सीएम शिंदे को दिया प्रेजेंटेशन

ठाणे : बीएमसी चुनावों के साथ, नगर निकाय ने शनिवार को अगले दो वर्षों के भीतर मुंबई वासियों को गड्ढों से मुक्त सड़कें उपलब्ध कराने का वादा किया. यह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा बीएमसी के सड़क कार्यों की स्थिति की समीक्षा के बाद आया है. समीक्षा के दौरान, शिंदे ने नागरिक प्रशासन को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि भारी बारिश के परिणामस्वरूप मुंबई की सड़कों पर मौजूदा गड्ढों की मरम्मत प्राथमिकता के आधार पर की जाए और यात्रियों को असुविधा के बिना यातायात का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित किया जाए.

यह मीटिंग सीएम शिंदे के आवास, मालाबार हिल के नंदनवन बंगले में शनिवार शाम करीब छह बजे समीक्षा हुई. बैठक में बीएमसी प्रशासक इकबाल सिंह चहल ने शिंदे को प्रेजेंटेशन दिया. बीएमसी ने अपने बयान में कहा, 'बीएमसी प्रशासन की ओर से इकबाल सिंह चहल ने मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया कि मुंबई की सड़कों के सीमेंट कंक्रीटीकरण का काम अगले दो साल में पूरा कर लिया जाएगा और सड़कों को गड्ढा मुक्त कर दिया जाएगा. इसमें कहा गया है कि वर्तमान में 2,200 करोड़ रुपये की लागत से 2022-23 के लिए 236 किलोमीटर सड़कों के सीमेंट कंक्रीटिंग का काम किया गया है. बयान में कहा गया है कि जहां अगले दो साल के लिए 400 किलोमीटर सड़कों पर काम प्रस्तावित है, वहीं 989.84 किलोमीटर सड़कों के सीमेंट कंक्रीटीकरण का काम पूरा हो चुका है. मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, शिंदे ने कहा, ''हमने अगले दो वर्षों में मुंबई को गड्ढा मुक्त करने के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया है. अगले दो साल में मुंबई की सभी सड़कों को पक्का कर दिया जाएगा. सड़कों के मध्य और किनारे पर सोक पिट का निर्माण किया जाएगा ताकि बारिश का पानी सड़क से बह सके. उन्होंने कहा कि बीएमसी हर साल गड्ढों को भरने के लिए कोल्ड मिक्स का इस्तेमाल कर रही है, जो अब बंद हो रहा है, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं. शिंदे ने कहा, ''यह तय किया गया है कि गड्ढों की मरम्मत उन्नत इको पॉलीमर तकनीकों और रैपिड सेटिंग कंक्रीट से की जाएगी.

ठाणे में देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़...!

तीन महिलाएं मुक्त कराई गईं

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पुलिस ने देह व्यापार के एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन महिलाओं को मुक्त कराया है। मानव तस्करी रोधी शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक महेश पाटिल ने रविवार को बताया कि मुक्त कराई गईं दो महिलाओं में से एक 22 साल की है और पश्चिम बंगाल की रहने वाली है। उन्होंने कहा कि इस महिला ने पुलिस को बताया कि उसे टीबी से पीड़ित अपने पिता के इलाज का खर्च उठाने के वास्ते देह व्यापार के लिए विवश किया गया। पुलिस ने एक खुफिया सूचना के आधार पर शुक्रवार शाम यहां वागले एस्टेट क्षेत्र में एक रेस्तरां के पास अपने एक व्यक्ति को ग्राहक बनाकर भेजा। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने देह व्यापार का गिरोह चला रही एक महिला को गिरफ्तार कर लिया और तीन महिलाओं को बचाया,

जिनमें से दो की उम्र 20 साल और एक की उम्र 22 साल है। उन्होंने बताया कि आरोपी और पीड़िता यहां डोम्बिवली शहर में बार डांसर के तौर पर काम करती थीं लेकिन कम पैसे मिलने की वजह से उन्होंने देह व्यापार करना शुरू कर दिया। अधिकारी ने कहा कि बचाई गईं तीनों महिलाओं को एक आश्रय गृह भेजा गया है। अधिकारी ने कहा कि यहां श्रीनगर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता और अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोपी के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है।

भिवंडी में एमएमआरडीए करेगा प्रमुख मार्गों पर हुए गड्ढों की मरम्मत

भिवंडी : एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों पर हुए गड्ढों की मरम्मत को गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के निर्देश पर शहर के प्रमुख मार्गों पर हुए तमाम गड्ढों की मरम्मत का कार्य एमएमआरडीए द्वारा अंजाम दिया जाएगा। उक्त जानकारी महानगरपालिका प्रशासक और कमिश्नर विजय कुमार म्हसाल ने दी है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सत्ता संभालते ही बरसात के दौरान हुए तमाम गड्ढों की मरम्मत करने का निर्देश महानगरपालिका प्रशासन को दिया है। महानगरपालिका प्रशासन द्वारा कोल्ड मिक्स पद्धति से गड्ढों की मरम्मत की जा रही है और आवश्यक जगहों पर पेवर ब्लॉक भी लगाया जा रहा है। मुख्यमंत्री शिंदे के निर्देश पर शहर के प्रमुख मार्गों पर हुए तमाम गड्ढों की मरम्मत किए जाने को तैयार एमएमआरडीए की टीम ने भिवंडी महानगरपालिका के अंतर्गत क्षेत्र का दौरा किया।

अधिकारियों ने किया दौरा

सड़कों पर गड्ढों के निरीक्षण के दौरान शहर अभियंता एलपी गायकवाड, एमएमआरडीए उप अभियंता राजेंद्र देवरे,संतोष म्हात्रे, मनपा अभियंता सचिन नाईक मौजूद थे। एमएमआरडीए उप अभियंता राजेंद्र देवरे की टीम ने भिवंडी शहर स्थित तमाम प्रमुख मार्गों अंजुरफाटा से धामनकर नाका, एसटी स्टैंड,बंजार पट्टी नाका से मंडई, मंडई से धामनकर नाका, कल्याण नाका से साईं बाबा मंदिर आदि प्रमुख मार्गों पर हुए गड्ढों का जायजा लिया। शहर के प्रमुख मार्गों पर हुए गड्ढों के सर्वे के बाद एमएमआरडीए उप अभियंता ने कहा कि भिवंडी शहर की प्रमुख सड़कों पर भारी संख्या में गड्ढे हैं। शीघ्र ही पुख्ता तरीके से गड्ढों की मरम्मत का कार्य अंजाम दिया जाएगा। एमएमआरडीए द्वारा प्रमुख मार्गों पर हुए गड्ढों की मरम्मत से शहरवासियों को राहत मिली है।

भिवंडी शहर के सड़कों पर गड्ढों की भरमार

गौरतलब है कि भिवंडी शहर के प्रमुख मार्गों सहित संपर्क मार्गों पर भारी भरकम गड्ढों की भरमार है। सड़कों पर गड्ढे या गड्ढों में सड़क की पहचान किया जाना बेहद मुश्किल है। शहर की तमाम सड़कें गड्ढों में तब्दील होकर उखड़ गई हैं। महानगरपालिका द्वारा प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए खर्च कर गड्ढों की मरम्मत सहित डांबर का मार्ग बनाया जरूर जाता है, लेकिन ठेकेदारों द्वारा अधिकारियों से मिलीभगत कर घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने से कुछ ही समय में फिर जस का तस बन जाता है। नागरिकों के लिए गड्ढा युक्त सड़क पर चलना खतरे को दावत देने जैसा है। शहर के नागरिकों ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से शहर में आरसीसी मार्ग निर्माण कराए जाने की अपील की है।

मुंबई के खार दांडा पर भीषण सड़क हादसा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुंबई में भीषण सड़क हादसा हुआ है। बताना चाहते हैं कि खार दांडा में एक तेज रफ्तार इनोवा ने अर्टिगा को जोरदार टक्कर मारी है। इस हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि इनोवा की रफ्तार इतनी तेज थी कि वह अर्टिगा को को उड़ाते हुए दूसरी तरफ लेकर चली गई। मुंबई के खार में हुए इस भीषण सड़क हादसे का वीडियो देखकर हर कोई दंग हो गया है। इनोवा और अर्टिगा के बीच हुई जोरदार भिडंत का वाकया सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया और इसका वीडियो सामने आया है। यह पूरी घटना 23 जुलाई को हुई है। इनोवा ने इतनी जोरदार टक्कर मारी की अर्टिगा हवा में उड़ी और पलट गई।

वहीं इस घटना को मौके पर देखकर लोग डर गए। अच्छी बात यह रही कि जब यह घटना हुई तो अधिक लोग सड़कों पर नहीं थे वरना बड़ा हादसा हो सकता था। इनोवा कार तेजी से आ रही थी। यह कार जब खार दांडा के चौक के पास पहुंची तो सीधे जाने वाली थी लेकिन अर्टिगा कार बीच में आ गई। दोनों कार चालकों ने अगल-बगल सही से देखा नहीं जिससे यह हादसा हो गया।

इस सड़क हादसे में गाड़ियों पर बहुत नुकसान हुआ है। इनोवा कार के बंपर और बोनट को नुकसान पहुंचा है। इस घटना की आवाज सुनकर नजदीक मौजूद लोग मदद के लिए सामने आए। अच्छी बात यह है कि इस घटना में जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ हो। दोनों कार चालकों को गंभीर चोट लगी है।

राज ठाकरे से नूपुर शर्मा को समर्थन; कहा ओवेसी...

मुंबई : राज्य में नाटकीय रूप से सत्ता गंवाने के बाद, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने एक साक्षात्कार में विभिन्न मुद्दों पर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने शि-ावसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे की कड़ी आलोचना की। राज ने भाजपा की नुपुर शर्मा के विवादित बयान का भी समर्थन किया। राज ने कहा कि इसी बीच भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा ने प्रेक्षित मोहम्मद को लेकर कुछ बयान दिया। बाद में उन्होंने माफी मांगी। दरअसल, माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं थी। उसने वही सुना जो उसने सुना था। ओवैसी अपने देवी-देवताओं की विवादास्पद आलोचना करते हैं। राज ठाकरे ने सवाल उठाया कि क्या वह कभी माफी मांगते हैं। राज ठाकरे ने यह सवाल भी उठाया है कि कुछ देश देवी-देवताओं का अपमान करते हैं, क्या उन्होंने कभी माफी मांगी है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर रूम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016.
मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा!